

BEd Sem.-3 Examination
D1
Reading & Reflecting on Texts
December-2025

Time : 3.00 Hours]

[Max.Marks :30

Instructions for Candidates

Do not write anything on the question paper except your roll number. Any writing or markings on the question paper (apart from your roll number) will be considered an act of unfair means, and appropriate action will be taken as per University rules. (प्रश्न पत्र पर अपने रोल नंबर के अलावा कुछ भी न लिखें। प्रश्न पत्र पर कोई (अलावा के नंबर रोल आपके) गलत मार्किंग या लिखावट भीतरके से की गई गलती मानी जाएगी एक्शन सही अनुसार के नियमों के यूनिवर्सिटी और , जाएग लिया/ प्रश्नपत्र पर तमारा रोल नंबर सिवाय कंठपण वपशो नर्दा. प्रश्नपत्र पर (तमारा रोल नंबर सिवाय) कंठपण वपशु अथवा निशानो अन्यायी रीते करवामां आवशे, अने युनिवर्सिटीना नियमो अनुसार योग्य कार्यवाली करवामां आवशे.)

Note: There are three parts of the Question Paper: Part A, Part B and Part C. (नोट: प्रश्न पत्र के तीन भाग A, B, और C हैं // नोट: 1. प्रश्नपत्रना त्रण भाग छे: भाग A, भाग B अने भाग C.)

1. All the questions are multiple choices in the Part A and all the questions in this part are compulsory. Each question carries 1 mark. (भाग A के सभी प्रश्न बहु चयन के हैं एवम सभी प्रश्न जरूरी हैं, हर प्रश्न के 1 अंक हैं/ भाग A मां बधा प्रश्नो बहुविध पसंदगीना छे अने या भागमांना बधा प्रश्नो इरजियात छे. दरेक प्रश्नमां 1 गुण छे.)
2. Attempt any four out of six in Part B. Answers should not be more than 100 words each. Each question carries 4 marks. (भाग B में 6 से किन्ही 4 प्रश्नों के जवाब दें, उत्तर 100 शब्दों से ज्यादा नहीं होने चाहिए हर प्रश्न के 4 अंक हैं/ भाग B मां छमांथी कंठपण यार प्रश्नोनी प्रयास करो. जवाबो २०० थी वधु शब्दोना न डोवा जोछ्ये. दरेक प्रश्न ४ गुण धरावे छे.)
3. Attempt any 2 questions out of four from each unit in Part C. Each answer should not be more than 350 words. Each question carries 5 marks. (भाग C में 4 से किन्ही 2 प्रश्नों के जवाब दें, उत्तर 350 शब्दों से ज्यादा नहीं होने चाहिए हर प्रश्न के 5 अंक हैं/ भाग C मां दरेक अेकमांथी यारमांथी कंठपण २ प्रश्नोनी प्रयास करो. दरेक जवाब ३५० थी वधु शब्दोनी न डोवो जोछ्ये. दरेक प्रश्न ५ गुण धरावे छे.)

PART-A**4X1=4 Marks**

1. "Reading aloud" primarily helps in developing ("उच्च स्वर में पढ़ना" मुख्य रूप से किसके विकास में सहायता करता है?/ मोटेथी वांयवुं" मुप्यत्वे विकास करवामां मद्द करे छे)
 - a) Silent vocabulary (मौन शब्दावली/मौन शब्दावली)
 - b) Pronunciation and fluency (उच्चारण और प्रवाह/उच्चार अने प्रवाह)
 - c) Deep comprehension (गहन समझ/डिडी समझ)
 - d) Critical thinking (आलोचनात्मक चिंतन/आलोचनात्मक चिंतन)
2. Writing poems, stories, and essays is considered _____ writing. (कविताएँ, कहानियाँ और निबंध लिखना किस प्रकार का लेखन माना जाता है?/ कविताओ, वाताओ अने निबंधो वपवाने _____ लेखन गणवामां आवे छे)
 - a) Creative (रचनात्मक/ रचनात्मक)
 - b) Copied (नकल किया हुआ)
 - c) Formal (औपचारिक/ नकल करेव)

- d) None (कोई नहीं/ कोई नडी)
3. Digital reading involves: ((डिजिटल पठन (Digital reading) में शामिल है/ डिजिटल वांयनमां शामिल छे)
- a) Only printed books (केवल मुद्रित पुस्तकें/ त्र मुद्रित पुस्तको)
- b) Websites, e-books, online articles (वेबसाइट, ई-बुक्स, ऑनलाइन लेख/ वेबसाइट, ई-बुक्स, ऑनलाइन लेखो)
- c) Audio podcasts only (केवल ऑडियो पॉडकास्ट/मात्र ऑडियो पोडकास्ट)
- d) None of these (इनमें से कोई नहीं/ आमांथी कोई नडी)
4. The COPS strategy stands for Capitalisation, Organisation, Punctuation and _____. (COPS रणनीति में Capitalisation, Organisation, Punctuation के साथ _____ भी शामिल है।/ COPS व्यूहरयना केपिटवाइजेसन, ओर्गेनाइजेसन, विरामचिह्न अने _____ माटे वपराय छे.)
- a) Smart (स्मार्ट/स्मार्ट)
- b) Spelling (वर्तनी /जोडणी)
- c) Short (छोटा/ टूंड)
- d) Semicolon (अर्धविराम/अर्धविराम)

PART-B

4X4=16 Marks

1. Explain Chall's Stages of Reading Development with examples. (चैल (Chall) के पठन विकास चरणों को उदाहरण सहित समझाइए।/ येवना वांयन विकासना तबककाओ उदाहरणो साथे समझवो।)
2. Write a short note on the special significance of braille literacy in the all-round development of persons with visual disabilities (दृष्टिबाधित व्यक्तियों के सर्वांगीण विकास में ब्रेल साक्षरता के विशेष महत्व पर एक संक्षिप्त नोट लिखें।/ द्रष्टि विकलांग व्यक्तियोंना सर्वांगी विकासमां ब्रेल साक्षरताना विशेष महत्व पर टूंडी नोध वपो।)
3. Explain briefly various steps of reading comprehension of students with disabilities. (विकलांग छात्रों की रीडिंग कॉम्प्रिहेंशन के विभिन्न चरणों को संक्षेप में समझाइए।/ विकलांग विद्यार्थीओना वांयन समझणना विविध पगवां संक्षिप्तमां समझवो।)
4. Write a note on COPS strategy and its usefulness in self and peer editing. (COPS रणनीति तथा आत्म एवं सहपाठी संपादन में इसकी उपयोगिता पर टिप्पणी लिखिए।/ COPS व्यूहरयना अने स्व अने पीअर संपादनमां तेनी उपयोगिता पर अेक नोध वपो।)
5. Briefly describe the difference between process writing and product writing. (प्रक्रिया आधारित लेखन (Process writing) और उत्पाद आधारित लेखन (Product writing) के अंतर को संक्षेप में समझाइए।/ प्रक्रिया लेखन अने उत्पादन लेखन वखेना तझावतनं संक्षिप्तमां वर्णन करो।)
6. Features of original writing: creativity, imagination, and personal voice. (मौलिक लेखन (Original writing) की विशेषताएँ—रचनात्मकता, कल्पनाशीलता और व्यक्तिगत अभिव्यक्ति—पर टिप्पणी लिखिए।/ मौलिक लेखननी विशेषताओ: सर्जनात्मकता, कल्पना अने व्यक्तिगत अवाज।)

PART-C

5X2=10 Marks

1. Discuss the connection between literacy, self-esteem, and personal identity. (साक्षरता, आत्म-सम्मान और व्यक्तिगत पहचान के बीच संबंध को विस्तारपूर्वक समझाइए।/साक्षरता, आत्मसन्मान अने व्यक्तिगत ओणप वखेना जोडाणनी यर्या करो)

2. Define "Meta- Cognition". How does meta- cognition help in the reading process and meaning making? (मेटा-कॉग्निशन" को परिभाषित करें। मेटा-कॉग्निशन पढ़ने की प्रक्रिया और अर्थ समझने में कैसे मदद करता है?/ मेटा-कोग्निशन" नी व्याख्या आपो. वांयन प्रक्रिया अने अर्थ निर्माणमां मेटा-कोग्निशन डेवी रीते मदद करे छे?)
3. Describe first-language and second-language literacy, highlighting the importance of bilingual education in modern classrooms. (प्रथम भाषा एवं द्वितीय भाषा साक्षरता का वर्णन कीजिए तथा आधुनिक कक्षाओं में द्विभाषिक शिक्षा के महत्व को स्पष्ट कीजिए। /आधुनिक वर्गखंडोमां द्विभाषी शिक्षणमां महत्व पर प्रकाश पाऽता, प्रथम भाषा अने द्विभाषी भाषानी साक्षरतानुं वर्णन करो)
4. Describe the importance of self-regulation and meta-cognitive skills in reading. How can teachers develop these in learners? (पठन में आत्म-नियमन (Self-regulation) तथा मेटा-संज्ञानात्मक (Meta-cognitive) कौशलों का महत्व समझाइए। शिक्षक इन कौशलों को विद्यार्थियों में कैसे विकसित कर सकते हैं?/ वांयनमां स्व-नियमन अने मेटा-ज्ञानात्मक कुशलतानुं महत्व वर्णवो. शिक्षको शीषनाराओमां आ डेवी रीते विकसावी शके छे?)

— x —